(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी तथ्य क्या हैं ;

(ग) ऐसी स्वदेशी और एलोपैथिक औषधियों के क्या नाम हैं; और

(घ) क्या इस मामले में प्रसिद्ध वैद्यों और हकीमों की भी राय ली गई है ?

स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती राम सेवक) : (क) से (ग). नान स्टेराइड गोली (सैन्टक्रोमैन), पुरुषों के लिए गोली (डाइप्रोटेआसिटेट) तथा प्रजनन-रोधी वैकसीन कुछ ऐसे तरीके हैं जिन पर अभी प्रयोग चल रहे हैं, आयुर्वेदीय औषधियों जैसे विडंगादियोग, तालिसदि, योग, पिप्प्यादि योग, के० कैपसूल्स और जे० कैपसूल्स पर परीक्षण किए जा रहे हैं, इनके अतिरिक्त, वैक्सीन, काम में प्रयोग की जाने वाली हरमौन की गोलियों और इन्जेक्शनों पर भी अनुसंधान कार्य चल रहा है ।

(घ) जी हां ।

Mangalore Harbour Project

1769. SHRI P. R. SHENOY: Will the Minister of SHIPPING AND TRANSPORT be pleased to state:

(a) the pending works in regard to completing the Mangalore Harbour Project; and

(b) the works that are proposed to give additional facilities in the Harbour?

THE MINISTER OF SHIPPING AND TRANSPORT (DR. G. S. DHILION): (a) Dredging of rock, procurement of different categories of floating craft, installation of cargo handling equipment and provision of Railway and Warehousing facilities are the main items of works which have not yet been completed.

(b) The following works are proposed in connection with the export of iron ore from Kudremukh deposits to Iran:—

(i) Construction of ore berth.

(ii) Dredging.

(iii) Extension of breakwaters.

(iv) Acquisition of floating craft.

(v) Provision of navigational aids.

राजस्थान में जस्ता प्रद्रावक

1770. श्री मूल चन्द डागा : क्या इस्पात और खान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) राजस्थान में जस्ता प्रद्रावक (जिंक स्पेल्टर) की स्थापना कब हुई, उस पर अब तक कुल कितनी धनराशि खर्च हो चुकी है और उसमें क्या प्रगति हुई है, और

(ख) इस जस्ता प्रद्रावक में सरकार को कितना घाटा या ला ?

इस्पात और खान मंत्रालय में उप मंत्री (श्री सुखदेव प्रसाद) : (क) देबरी (राजस्थान में उदयपुर के पास) जस्ता प्रद्रावक के निर्माण का काम जनवरी, 1968 में पूरा हुआ लेकिन जस्ते का वाणिज्यिक उत्पादन मई, 1968 से शुरू हुआ । इस प्रद्रावक पर केन्द्रीय सरकार को कम्पनी हिन्दुस्तान जिंक लि० द्वारा 31-12-75 तक 806.47 लाख रुपए खर्च किए गए हैं ।